

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 439

जिसका उत्तर शुक्रवार, 3 फरवरी, 2023/14 माघ, 1944 (शक) को दिया जाना है।

उर्वरक आयातों का अधिक मूल्य

439. श्री धनुष एम. कुमार:
श्री सी.एन.अन्नादुरई:
श्रीमती मंजुलता मंडल:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
डॉ. डी.एन.वी. सैथिलकुमार एस.:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान देश में आयात किए गए विभिन्न उर्वरकों का आयात अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित मूल्यों की तुलना में बहुत अधिक मूल्यों पर किया गया था;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं तथा सरकारी कोष को कितना नुकसान हुआ है;
- (ग) क्या वर्ष 2021-22 में भारत का उर्वरकों का आयात सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच कर 12.77 बिलियन डॉलर का हो गया है;
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और अत्यधिक आयात के क्या कारण हैं तथा विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान भारत में विनिर्मित उर्वरकों की कुल मात्रा का ब्यौरा क्या है;
- (ङ.) देश में उर्वरक विनिर्माण को बढ़ावा देने में सरकार को किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा रहा है;
- (च) क्या भारत के पास प्रत्येक प्रकार के उर्वरकों के विनिर्माण के कच्चे माल की पर्याप्त उपलब्धता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
- (छ) उन देशों का ब्यौरा क्या है जिनसे भारत कच्चा माल खरीदता है और सरकार द्वारा अपने देश में कच्चे माल का उत्पादन करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने वाले हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

(भगवंत खुबा)

(क) से (घ): यूरिया एकमात्र उर्वरक है जो सांविधिक मूल्य और आंशिक संचलन नियंत्रण के अधीन है। सरकार की विदेश व्यापार नीति के तहत सीधे कृषि उपयोग के लिए यूरिया के आयात की अनुमति स्टेट ट्रेडिंग एंटरप्राइजेज (एसटीईजे) अर्थात् मेसर्स राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ), मेसर्स नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) और मेसर्स इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) के माध्यम से (31.03.2023 तक) प्रदान की गई है। एसटीई सरकार के खाते से यूरिया के आयात के लिए वैश्विक निविदाएं जारी करते हैं।

पिछले तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष (दिसम्बर' 22 तक) के दौरान देश में आयातित यूरिया की मात्रा,भारित औसत मूल्य और मूल्य तालिका में दिया गया है:

वर्ष 2019-20 से 2022-23 (दिसम्बर'22 तक) यूरिया का आयात			
वर्ष	एलएमटी में मात्रा	भारित औसत मूल्य (यूएस डॉलर पीएमटी में)	बिलियन यूएस डॉलर में मूल्य
2019-20	91.23	252.43	2.30
2020-21	98.28	262.54	2.58
2021-22	91.36	661.31	6.04
2022-23 (दिसम्बर' 22 तक)	62.44	646.82	4.04

सभी पीएण्डके उर्वरकों को पोषकतत्व आधारित राजसहायता (एनबीएस) स्कीम के तहत राजसहायता प्राप्त हैं और कंपनियों द्वारा व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य शर्तों पर मुक्त सामान्य लाइसेंस (ओजीएल) के तहत इनका आयात किया जाता है। पिछले तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष (दिसम्बर' 22 तक) के दौरान देश में आयातित पीएण्डके (डीएपी, एमओपी और एनपीके) उर्वरकों की मात्रा (कंपनियों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार) तालिका में दी गई है:

2019-20 से 2022-23 (दिसम्बर' 22 तक) तक पीएण्डके उर्वरकों (डीएपी, एमओपी और एनपीके) का आयात			
वर्ष	मात्रा एलएमटी में		
	डीएपी	एमओपी	एनपीके
	कंपनियों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार		
2019-20	48.70	36.70	7.46
2020-21	48.82	42.27	13.90
2021-22	54.62	24.60	11.70
2022-23 (दिसम्बर' 22 तक)	53.18	16.22	20.86

इसके अतिरिक्त, पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष (दिसम्बर' 22 तक) के दौरान भारत में विनिर्मित उर्वरकों की कुल मात्रा तालिका में दी गई है:

वर्ष	यूरिया (मात्रा एलएमटी में)	पीएण्डके (डीएपी,ए/एस, मिश्रित और एसएसपी) (मात्रा एलएमटी में)
2019-20	244.58	181.37
2020-21	246.05	187.63
2021-22	250.72	185.23
2022-23 (दिसम्बर' 22 तक)	210.98	151.75

(ड.) से (छ): पोषकतत्व आधारित राजसहायता (एनबीएस) स्कीम के तहत पीएण्डके उर्वरक विनियंत्रित हैं और पीएण्डके उर्वरक कंपनियों बाजार के उतार-चढ़ाव के अनुसार इन उर्वरकों का विनिर्माण या आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं।

देश में यूरिया की उत्पादन क्षमता में पर्याप्त आत्मनिर्भरता प्राप्त कर ली है। परिणामस्वरूप, भारत आयात के अलावा स्वदेशी उद्योग के माध्यम से नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों की अपनी पर्याप्त आवश्यकता का प्रबंधन कर सका। इसी प्रकार, घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए फास्फेटयुक्त उर्वरकों के संबंध में स्वदेशी क्षमता का बड़ा हिस्सा विकसित किया गया है। तथापि, इसके लिए कच्चे माल और मध्यवर्ती वस्तुओं का बड़े पैमाने पर आयात किया जाता है। पोटैश (के) के लिए, चूंकि देश में कोई व्यवहार्य स्रोत/भंडार नहीं हैं, इसकी पूरी आवश्यकता आयात के माध्यम से पूरी की जाती है।

विभिन्न देशों से उचित मूल्य पर भारत को डीएपी और इसके कच्चे माल की नियमित और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक विभाग द्वारा विभिन्न प्रयास एक सतत प्रक्रिया है।
